ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं किसी भी विकराल समस्या को शीतल बनाने वाली सम्पूर्ण निश्चयबुद्धि आत्मा हूँ

MADHUBAN

Brahma Kumaris

आज का सुगन्धित पुष्प

Fragrant Flower For Today

आप उमंग-उत्साह से सेवा करते आगे बढ़ते हो।

आप निर्विघ्न सेवाधारी हो। 😊

You move forward by serving with zeal and enthusiasm.

You are a server who is free from obstacles! 😊

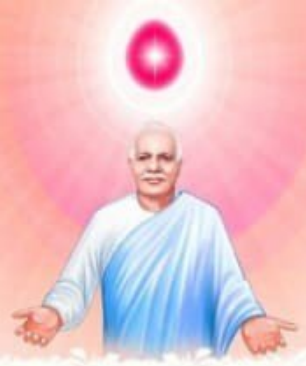

जो बेफिक्र रहते हैं उनसे निर्णय भी अच्छा होता है क्योंकि उन्हें टचिंग आती है समय अनुसार अभी यह करें या नहीं करें। तो सदैव यह याद रखो - बेफिक्र बादशाह हैं इस नशे में रहने से फिक्र की बात भी बदल जायेगी।

शिवरात्रि कैसे मनाएं?

परमात्मा शिव का कोई शारीरिक अथवा सासांरिक रूप नहीं है, बल्कि दिव्य एवं आत्मिक रूप- दिव्य ज्योति स्वरूप है। अतः मालूम रहे कि हम परमात्मा शिव से तभी मिल सकते हैं जब हम स्वयं भी आत्मिक स्वरूप में स्थित हों। यदि हम स्वयं के शरीर के भान में टिके होंगे अथवा सांसारिक रूपों की स्मृति में होंगे, अर्थात् किसी-न-किसी शरीरधारी ही की स्मृति में होंगे तो हम निराकार परमात्मा से मनोमिलन नहीं मना सकते। 'शिव' का कोई कायिक रूप नहीं है बल्कि उनका रूप आत्मा के रूप-जैसा बिन्दु के आकार वाला है। अतः हम भी जब बिन्दु-स्थिति में होंगे तभी उस परमपिता से आनन्दमय मिलन का आत्मिक, अभूतपूर्व एवं अत्यन्त अनमोल सुख ले सकेंगे। 'शिव' तो एक हैं, बाकी सबमें तो आज काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि में से किसी-न-किसी प्रकार का विष भरा हुआ है। अतः यदि हम कल्याण एवं आनन्द के इच्छुक हैं तो हमे अपने मन को विष से हटाकर, शिव में ही उसका एकीकरण करना होगा और परमात्मा से मिलन मनाने के लिए आत्मा-भाव में टिकना होगा। तभी जीवन का सच्चा सुख मिलेगा, सर्व मनोरथों में से सच्चा मनोरथ पूरा होगा, सभी रसों से उत्तम रस प्राप्त होगा। सम्बन्धों का सामूहिक एवं सच्चा सम्बन्ध मिलेगा।

अब परमपिता परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर अपना दिव्य कर्त्तव्य कर रहे हैं। अब वास्तविक अर्थ में हम 88 वीं शिवरात्रि मना रहे हैं क्योंकि 88 वर्षों से यह कर्तव्य चल रहा है। परन्तु चूँकि शिव निष्कल हैं, अदेह हैं, अतः उनका जन्म इन स्थूल नेत्रों द्वारा दृश्यमान न होने से देह-अभिमानी लोग इन परम सत्य एवं अत्यन्त हर्षपूर्ण बातों को समझ नहीं पाते और लाभ नहीं उठा पाते। फिर भी जन-जन के कल्याण के लिए हम समस्त संसार को शंख-ध्वनि से कहते हैं कि अब शिव बाबा इस धरा पर कर्त्तव्य कर रहे हैं, आप भी उस पापकटेश्वर एवं मुक्तेश्वर से अमर वरदान लीजिये। इस बार इस वास्तविक रीति से शिवरात्रि मनाइये।

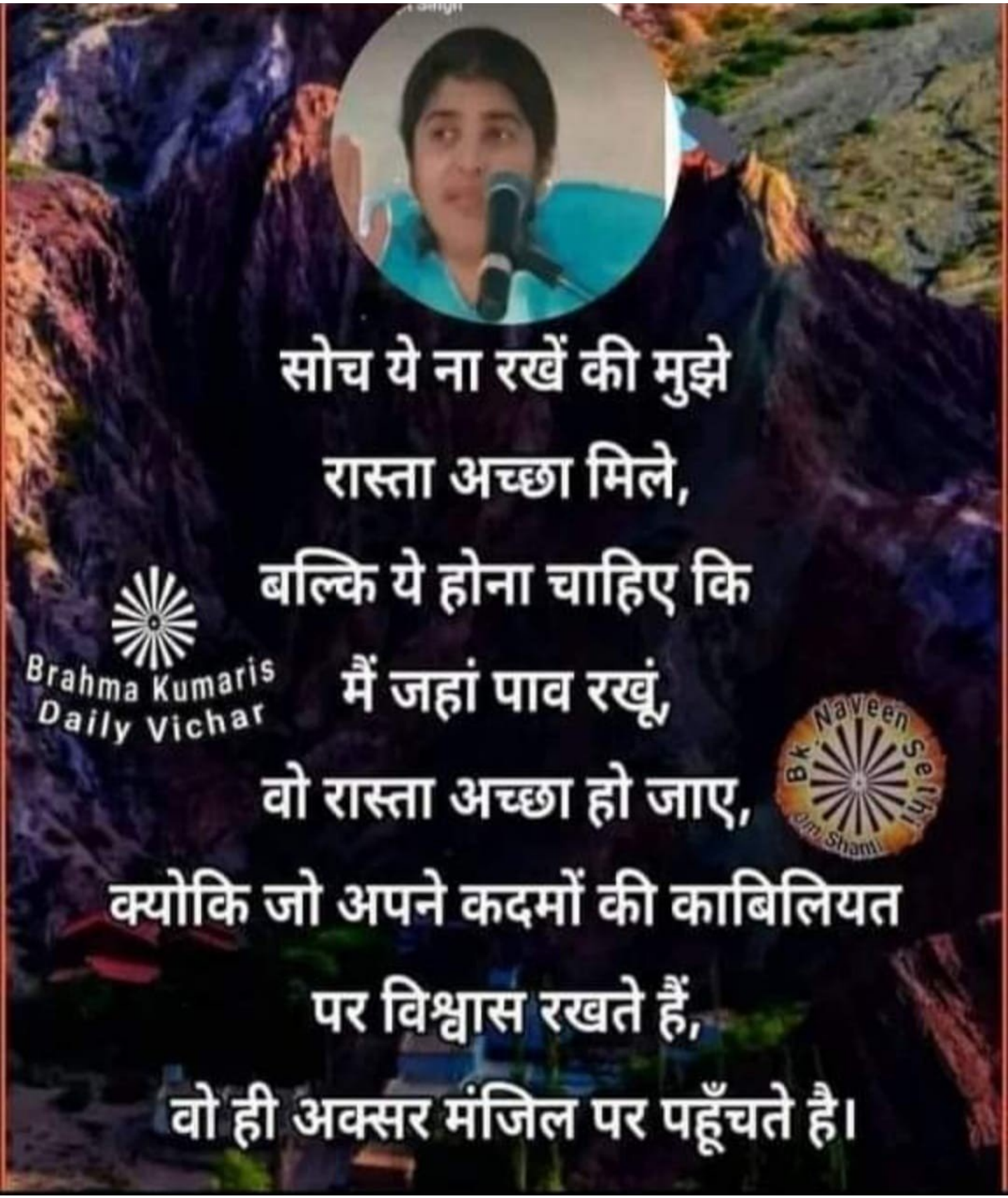
सोच ये ना रखें की मुझे
रास्ता अच्छा मिले,
बल्कि ये होना चाहिए कि
मैं जहां पाव रखूं,
वो रास्ता अच्छा हो जाए,
क्योकि जो अपने कदमों की काबिलियत
पर विश्वास रखते हैं,
वो ही अक्सर मंजिल पर पहूँचते है।
Brahma Kumaris
Daily Vichar
Bk Naveen Sehgal
Om Shanti

परिस्थिति के अनुकूल स्वयं को परिर्वतन करना सीखना चाहिए। नहीं तो समय हमे बदल देगा।

If you are ready to take responsibility of your every thought, you can become master of your fate.
BRAHMA KUMARIS
facebook.com/brahmakumaris | youtube.com/brahmakumaris

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org